

# व्यायालय, आयुक्त कार्यालय, कोशी प्रमंडल, सहरसा।

ज्ञापांक 32/2 विधि

सहरसा, दिनांक ०१/११/२०२३

प्रतिलिपि :- तारा कुमारी, पति-उपेक्ष्म राम, सा०-वसुआ, वार्ड नं०-०२, पंचायत-बसबिट्टी, थाना+प्रखंड+जिला-सुपौल को आयुक्त व्यायालय के ३१८१५५४ प०१० अपील वाद सं०-१५९/२०२३ में पारित आदेश की प्रति सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि :- आई०टी०मैनेजर, समाहरणालय, सहरसा को आदेश की प्रति संलग्न करते हुए प्रमंडलीय बेवसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

प्रभारी पदाधिकारी, विधि  
कोशी प्रमंडल, सहरसा।

सा०-वसुआ, वार्ड नं०-०२, पंचायत-बसबिट्टी, थाना+प्रखंड+जिला-सुपौल के द्वारा आगनबाड़ी अपील वाद सं०-०७/२०२२ में समाहर्ता, सुपौल द्वारा पारित आदेश के पुनरीक्षण हेतु लाया गया है।

दिनांक १७.१०.२०२३ को नामांकन के बिन्दु पर सुनवाई के क्रम में निम्न व्यायालय समाहर्ता, सुपौल के द्वारा संबंधित आँगनबाड़ी अपीलवाद सं०-०७/२०२२ में पारित आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रस्तुत वाद आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन मार्गदर्शिका, २०१६ से आक्षणित है। उक्त मार्गदर्शिका की कंडिका-१३ में स्पष्ट वर्णित है कि “जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध ३० दिनों के अन्दर जिला पदाधिकारी के व्यायालय में अपील दायर की जा सकेगी जो कि स्वयं अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अपर समाहर्ता सुनवाई के लिए प्राधिकृत होंगे तथा जिला पदाधिकारी/अपर समाहर्ता के द्वारा पारित आदेश अंतिम आदेश होगा।” बाल विकास सेवाएँ (ICDS), निदेशालय, बिहार (समाज कल्याण विभाग) के पत्रांक-१७८० दिनांक ०५.०३.२०२० से सेविका/सहायिका चयन से संबंधित परिवारों के त्वरित निष्पादन हेतु मार्गदर्शिका के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए निदेश दिया गया है कि “जिस समय चयन हेतु विज्ञापन का प्रकाशन हुआ था और उस समय जो मार्गदर्शिका प्रभावी थी, उसी मार्गदर्शिका के प्रावधान उन मामलों में लागू होंगे तथा उनके चयन से संबंधित विवाद का निष्पादन भी उसी तत्कालीन प्रभावी मार्गदर्शिका के प्रावधान के अनुरूप किया जायेगा।” उक्त के आलोक में प्रस्तुत वाद को पोषणीय नहीं पाते हुए अस्वीकृत किया जाता है। इसी के साथ वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है। निम्न व्यायालय से प्राप्त अभिलेख वापस किया जाय तथा इसकी सूचना सभी संबंधितों को दी जाय।

लेखापिता एवं संशोधित।

प्रमंडलीय आयुक्त  
कोशी प्रमंडल, सहरसा

प्रमंडलीय आयुक्त  
कोशी प्रमंडल, सहरसा।

आदेश-पत्रक

( देस्ये अभिलेख हस्तक, १९४७ का नियम १२९ )

आदेश पत्रक - ता०..... से..... तक  
जिला....., सं०....., सन् १९.....  
केस का प्रकार.....

केस का प्रकार.....

कस का प्रकार.....	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-स्थित
आदेश की दस्तावेज़ तारीख क्रम संख्या किस तारीख 9	२	३

## **व्यायालय, आयुक्त, कोशी प्रमंडल, सहरसा**

आँगनबाडी पुनरीक्षण वाद संख्या-159/2023

ताया कुमारी ..... पुनरीक्षणकर्ता

-ବନାମ-

साज्य एवं अन्य..... रेसपॉण्डेन्ट

### -:: आदेश ::-

प्रस्तुत ऑँगनबाड़ी पुनरीक्षण अपीलवाद तारा कुमारी, पति-उपेक्ष राम, सा०-वसुआ, वार्ड नं०-०२, पंचायत-बसबिट्टी, थाना+प्रखंड+जिला-सुपौल के द्वारा ऑँगनबाड़ी अपील वाद सं०-०७/२०२२ में समाहर्ता, सुपौल द्वारा पारित आदेश के पुनरीक्षण हेतु लाया गया है।

ह। दिनांक 17.10.2023 को नामांकन के बिन्दु पर सुनवाई के क्रम में निम्न व्यायालय समाहर्ता, सुपौल के द्वारा संबंधित आँगनबाड़ी अपीलवाद सं0-07/2022 में पारित आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रस्तुत वाद आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन मार्गदर्शिका, उक्त मार्गदर्शिका की कंडिका-13 में स्पष्ट वर्णित है कि “जिला प्रोग्राम 2016 से आक्षणित है। उक्त मार्गदर्शिका की कंडिका-13 में स्पष्ट वर्णित है कि “जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के द्वारा पारित आदेश के विळच्छ 30 दिनों के अव्वर जिला पदाधिकारी के व्यायालय में पदाधिकारी के द्वारा पारित आदेश के विळच्छ 30 दिनों के अव्वर जिला पदाधिकारी के व्यायालय में अपील दायर की जा सकेगी जो कि स्वयं अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अपर समाहर्ता सुनवाई के लिए प्राधिकृत होंगे तथा जिला पदाधिकारी/अपर समाहर्ता के द्वारा पारित आदेश अंतिम आदेश होगा।” बाल विकास सेवाएँ (ICDS), निदेशालय, बिहार (समाज कल्याण विभाग) के पत्रांक-1780 दिनांक 05.03.2020 से सेविका/सहायिका चयन से संबंधित परिवारों के त्वरित निष्पादन हेतु मार्गदर्शिका के प्रावधारों को स्पष्ट करते हुए निदेश दिया गया है कि “जिस समय चयन हेतु विज्ञापन का प्रकाशन हुआ था और उस समय जो मार्गदर्शिका प्रभावी थी, उसी मार्गदर्शिका के प्रावधान उन मामलों में लागू होंगे तथा उनके चयन से संबंधित विवाद का निष्पादन भी उसी तत्कालीन प्रभावी मार्गदर्शिका के प्रावधान के अनुरूप किया जायेगा।” उक्त के आलोक में प्रस्तुत वाद को पोषणीय नहीं पाते हुए अस्वीकृत किया जाता है। इसी के साथ वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है। निम्न व्यायालय से प्राप्त अभिलेख वापस किया जाय तथा इसकी सूचना सभी संबंधितों को दी जाय।

तथा इसका सूचना समा  
*Guru Nanak Dev*

लेखापिता ॥ एवं संशोधित ।

प्रमंडलीय आयुक्त  
कोशी प्रमंडल, सहरसा।